B.A. PART-III (Pol Sc(H)) 5th PAPER

Development Administration

3. विकास प्रशासन

①

लोक प्रशासन एक विकासशील प्रशासन है और यह अभी तक विकास की ओर अग्रसर है — एक पृथक अध्ययन के रूप में लोकप्रशासन का अध्ययन बहुत पुराना नहीं है। रामायण तथा महाभारत में भी प्रशासन तथा न्याय व्यवस्था के संबंध में विभिन्न दृष्टांत पाये जाते हैं। इस दिशा में Kautilya द्वारा रचित "अर्थशास्त्र" बहुत अहमियत रखती है। Confusions की शिक्षाओं में भी लोक प्रशासन संबंधी बहुत से सूत्र प्राप्त हुए हैं। (Aristotle) अरस्तू की पुस्तक Politics से भी लोक प्रशासन के संबंध में काफी प्रकाश पड़ता है। इस संबंध में Machiavelli की पुस्तक "The Prince" भी एक अनोखा नमूना है। लोक प्रशासन शब्द का प्रयोग वास्तव में 17वीं शताब्दी से पूर्व प्रयोग में नहीं आया था। 18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध के federalist के 72वें 'पत्र' में हैमिल्टन ने लोकप्रशासन की व्याख्या की। एक पृथक टिप्पणी के रूप में सर्वप्रथम चार्ल्स, जॉन्स, ब्राउन्स द्वारा रचित पुस्तक — "Principle Administration Politique" लोक प्रशासन के संबंध में प्रकाशित हुई। इस तरह लोकप्रशासन का विकास उतना पुराना नहीं है, जितना सामाजिक जीवन के विकास का।

आधुनिक क्रांति के फलस्वरूप लोकप्रशासन का क्षेत्र भी क्रांतिकारी परिवर्तन

Scanned with CamScanner

में प्रवेश किया। विभिन्न समस्याएँ लोक प्रशासन के सम्मुख उपस्थित हुआ। इसके फलस्वरूप प्रशासन के संगठन तथा साधनों में काफी परिवर्तन किया गया। प्रथम विश्व युद्ध में राजकीय प्रशासन के संगठन तथा साधनों में काफी परिवर्तन किया गया + साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की प्राप्ति के लिए राष्ट्रसंघ के रूप में अंतर्राष्ट्रीय लोक प्रशासन को जन्म दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एशिया एवं अफ्रिका के नवोदित स्वतंत्र राष्ट्रों की यूरोपीय आधिपत्य से मुक्ति के साथ उसके समक्ष प्रमुख रूप से पूर्ण निर्माण तथा लोक प्रशासन की एक विकल्प के रूप में प्रस्तुत किए हुआ।

सर्वप्रथम मिश्र, भारत, मेसोपोटामिया, चीन आदि देशों में जहा सभ्यता का विकास हुआ वहाँ लोकप्रशासन को पृथक अस्तित्व प्रदान किया गया। चीन ने लगभग ईसा से 3 शताब्दी पूर्व प्रशासनिक कर्मचारियों को प्रतियोगिता परीक्षाओं द्वारा भर्ती करने की व्यवस्था लागू की थी। उत्तरी भारत के बहुत पहले से ही प्रशासन का विकसित रूप देखने को मिलता है प्राचीन ग्रीस के नगर राज्यों में भी लोकप्रशासन का बहुत ही संगठित रूप हमें प्राप्त होता है

लोकप्रशासन के संबंध में सैद्धांतिक तथा व्यवहारिक दोनों रूपों में विचार आधुनिक क्रांति द्वारा उत्पन्न

Scanned with CamScanner

राज्यों के सम्मुख समस्याओं के फलस्वरूप किया गया। अमेरिका में भी Paddrala on Act 1882 के द्वारा प्रशासन संबंधी सुधार करने के लिए आंदोलन किया गया और घुसखोरी व्यवस्था (Spoil System) को समाप्त किया गया। इस संबंध में woodrow wilson के लेख "The study of Administration" में लोकप्रशासन के लिए नवजीवन का संचार किया। इसलिए Prof. Waldo ने woodrow wilson को "लोकप्रशासन के जन्मदाताओं में से एक माना।" संयुक्त राज्य अमेरिका में लोकप्रशासन के विषय में सबसे पहले दो प्रमुख पुस्तकों की रचना हुई। 1926 में 'लियोनार्ड वाइट' की पुस्तक "Introduction of the study of Public Administration" तथा 1927 में विलोबी की पुस्तक — "Principle of Public Administration प्रकाशित हुई। लगभग एक पीढ़ी तक इन दो पुस्तकों ने लोकप्रशासन संबंधी अध्ययन निर्धारित किया। इन दो पुस्तकों का रूप तकनीकी है उनमें उन सभी प्रकार की सामान्य समस्याओं का अध्ययन किया गया है जिन्हें "POSD CORB' शब्द में समाहित किया जा सकता है इन पुस्तकों में प्रशासकीय अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्रों में उठने वाली विषय वस्तु संबंधी समस्याओं का वर्णन नहीं किया गया है। वे इस मान्यता पर

Scanned with CamScanner

आधारित है कि लोकप्रशासन को राजनीति से पृथक और स्वतंत्र होना चाहिए और इसके सिद्धांतों को मोटे तौर पर सरल और परिभाषित किया जा सकता है। 1940 के बाद प्रकाशित होने वाली प्रसिद्ध पुस्तकों के नाम इस प्रकार हैं:—

साइमन, स्मिथ बर्ग तथा थाम्पसन की पुस्तक — Public Administration, एच० के० सिमोह की पुस्तक — Administrative State & The Study of Public Administration, एच० पी० एपलबी की पुस्तक — "Morality and Administration तथा चेस्टर बर्नार्ड की पुस्तक — "Function of the Executive आदि।

भारत में पहले लोकप्रशासन का जितना भी अध्यापन किया जाता था उसे राजनीति विज्ञान, इतिहास अथवा अर्थशास्त्र के पाठ्यक्रमों में सम्मिलित कर लिया जाता था। लोकप्रशासन का स्वतंत्र अध्यापन हमारे यहाँ वर्तमान शताब्दी के पहले 40 वर्ष तक आरंभ नहीं हुए थे। सबसे पहले इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने स्थानीय सरकार के प्रशासन के विषय में एक स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए आरंभ किया। इसका ध्येय उच्च श्रेणियों के स्थानीय शासन अधिकारियों को प्रशिक्षण करना था। उसके दो वर्ष पश्चात् लखनऊ विश्व-

Scanned with CamScanner

विद्यालय ने लोकप्रशासन में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ किया। 1950 में नागपुर विश्वविद्यालय ने भी अपने यहाँ लोक-प्रशासन तथा स्थानीय स्वशासन विभाग की स्थापना की जिसके अंतर्गत एम०ए० की डिग्री देने की व्यवस्था की गई। यह भारत में पहला स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम था। इस दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम March 1954 में भारतीय लोकप्रशासन संस्था (Indian Institute of Public Administration) की स्थापना के रूप में उठाया गया। आरंभ में इस संस्थान का उद्देश्य प्रशासन विषयक अनुसंधान के केन्द्र एवं सूचना प्रसारण कार्यालय के रूप में कार्य करना था, परन्तु 1955 में उसके अंतर्गत "लोकप्रशासन विद्यापीठ" (Indian School of Public Administration) की स्थापना भी कर दी गई। यह संस्थान Indian Journal of Public Administration का प्रकाशन करती है। पत्रिका में प्रशासन के विविध पक्षों के बारे में उच्च कोटि के लेख प्रकाशित होते हैं तथा उसमें सरकारी प्रतिवेदनों एवं राज्यों में होने वाले प्रशासकीय विकास का सारांश भी दिया जाता है। ये भारत सरकार के विविध मंत्रालयों के संगठन और उनके कार्यों का विश्लेषण दिया जाता है तथा वित्त और कार्मिक प्रशासन के क्रियाकलापों का वर्णन भी करता है।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार भारत के हर प्रान्त में जैसे - पटना, सतारा, दिल्ली, राजस्थान, बंगाल, बिहार, हैदराबाद, आदि स्थानों में लोकप्रशासन के विभिन्न तत्वों का समावेश किया गया है।

इस प्रकार उपरोक्त विवेचनों से स्पष्ट है कि लोकप्रशासन एक विकासशील प्रशासन है और विकासशील प्रशासन होने के कारण इनका संबंध आधुनिकीकरण से है। यह सही है कि विकास शब्द अर्थशास्त्र से राजनीतिशास्त्र में लिया गया और राजनीतिशास्त्र से लोकप्रशासन में आया। अर्थशास्त्र की दृष्टि से विकास शब्द के दो अर्थ लगाये जा सकते हैं
(1) Take off की स्थिति जहाँ से अर्थव्यवस्था स्वतः ही आगे बढ़ती रहती है तथा (2) इस स्थिति तक पहुँचने की प्रक्रिया।

अतः Take off की स्थिति पाने पर विकसित और उससे पहले की अवस्था विकासशील अवस्था कही जाती है।

विकास प्रशासन का संबंध प्रशासन के कार्यों में प्रगति से है। प्रशासन जितना अधिक जनता के नजदीक होगा उतना ही जनता मूल समस्या को समझेगा और उन समस्याओं के समाधान का प्रयास करेगा। इस प्रकार विकास बहुत तेजी से होगा। वस्तुतः विकास या विकासशील

Scanned with CamScanner

प्रशासन का अर्थ है - विकास से संबंधित प्रशासन। विकासशील प्रशासन से अधिक प्रभावशाली होता है। सामान्य प्रशासन एक सामान्य ढंग से प्रशासन करने की कला सिखा सकती है, किन्तु यह सामान्य प्रशासन वहाँ सक्षम नहीं हो सकेगी, जहाँ नयी-नयी समस्याएँ उठ खड़ी हो रही हैं जो इतिहास में पहले नहीं हो रही हो। खास कर ये समस्याएँ औद्योगिक तथा आधुनिक सभ्य समाज में तेजी से उत्पन्न हो रही हैं।

अतः इन समस्याओं के समाधान के लिए जरूरी है कि लोकप्रशासन में भी नई अवधारणाओं को अपनाया जाय एवं लोकप्रशासन को विकसित किया जाय। विकासशील प्रशासन बस इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

विकासशील प्रशासन एक विशेष प्रकार की उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक विशेष कार्यक्रम एक अध्ययन भावना तथा एक विशेष विचारधारा है। यह प्रशासन की स्थूल रूप से उतना संबंधित नहीं जितना कि उसकी प्रकृति, दृष्टिकोण एवं व्यवहार व्यक्ति आदि से है। 'पामिन रिकर' यह स्वीकार करते हैं कि "विकासशील प्रशासन उस संरचना, संगठन तथा संगठनात्मक व्यवहार से संबंधित है, जो सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिवर्तनों की उन योजनाओं एवं कार्यक्रमों को पूरा करने के

Scanned with CamScanner

लिए हैं, जिन्हें सरकार ने पूरा करना स्वीकार किया है।

Righ एक ऐसे विद्वान हैं जो विकासशील प्रशासन को सामान्य प्रशासन के अतिरिक्त तत्वों के बजाय बाह्य तत्वों पर विशेष जोर देते हैं। वे सामुदिक निर्णय ले लें पर उन्हें लागू करने की योग्यता को बढ़ाना ही विकासशील प्रशासन मानते हैं। उनका कहना है कि जिस प्रकार कृषि कार्यक्रम की प्रगति के लिए कृषि प्रशासन और स्वास्थ्य प्रबंध में विकास करने के लिए स्वास्थ्य प्रशासन है, उसी प्रकार से विकास कार्यकर्ता का प्रबंध करने वाला विकास प्रशासन होता है। विकासशील प्रशासन को स्पष्ट करने के लिए Righ ने लिखा है कि — "विकासशील प्रशासन केवल मात्र भौतिक मानवीय एवं सांस्कृतिक वातावरण के रूप में परिवर्तन के लिए अभिकतिपय कार्यक्रमों को पूरा करने के सरकारी प्रयासों को ही नहीं करेंगे बल्कि ऐसे कार्यक्रमों में अपने को लीन करने की क्षमता को बढ़ाने के प्रयासों को भी करेंगे।"

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि विकासशील प्रशासन विकास कार्यक्रमों को लागू करने एवं प्रबंध करने का अध्ययन है। आज विकास प्रशासन के प्रगति को नजर अंदाज नहीं

Scanned with CamScanner

किया जा सकता। प्रायः सभी आदमी और राज्यों में इसका महत्व बढ़ रहा है।
उदाहरणार्थ — भारत में 20 सूत्री कार्यक्रम लोकप्रशासन के लिए चुनौतिपूर्ण कार्यक्रम है और इसका सफल कार्यान्वयन विकास प्रशासन से ही संभव है। विकास प्रशासन को यह देखना है कि कौन-कौन से विकासशील प्रशासकीय कार्य किये जाएँ जिससे औद्योगिक समाज की समस्याओं को समाप्त कर समाज को और अधिक विकसित किये जाएँ।

—o—

Scanned with CamScanner